



पंजाब के GST राजस्व में 20% की बढ़ोतरी, चार माह में ₹10,447 करोड़ का संग्रह

चंडीगढ़, 1 अगस्त:पंजाब सरकार के वित्त, आबकारी एवं कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों में राज्य के कुल जीएसटी राजस्व में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान पंजाब ने 10,447.90 करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 8,708.48 करोड़ रुपये था।

उन्होंने बताया कि जुलाई 2026 में राज्य को 2,614.45 करोड़ रुपये का जीएसटी राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.31 प्रतिशत अधिक है। वहीं, एसजीएसटी केश संग्रह में 16.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो देश में सबसे अधिक रही।

यह बेहतर कर अनुपालन और वास्तविक कर भुगतान का संकेत है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ईमानदार करदाताओं को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जुलाई के दौरान 200 करोड़ रुपये से अधिक के जीएसटी रिफंड मंजूर किए गए, जिससे उद्योगों और कारोबारियों की तरलता बढ़ाने में मदद मिली।

कर चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए विभाग ने जुलाई में 200 करोड़ रुपये से अधिक के जुर्माने लगाए।

हर युवा बने नशा मुक्ति अभियान का वाहक

चंडीगढ़, 1 अगस्त:हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने युवाओं से नशे के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक युवा कम से कम 10 लोगों को नशा मुक्ति अभियान से जोड़े, तो समाज से इस बुराई को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। वह पटियाला स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित "नशे के खिलाफ जंग" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि देश का युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है और उसे स्वस्थ, शिक्षा, खेल तथा विकास का मार्ग चुनना चाहिए, न कि नशे जैसी सामाजिक बुराई का। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज को भी कमजोर करता है। इसलिए इसके खिलाफ लड़ाई केवल कानून लागू करने वाली एजेंसियों की नहीं, बल्कि परिवार, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

ऊर्जा दक्षता और डीकार्बोनाइजेशन पर मंथन का मंच बना 'कन्वर्ज 2026', ASHRAE चंडीगढ़ चैप्टर की नई कार्यकारिणी का हुआ पदस्थापना समारोह



चंडीगढ़, 1 अगस्त:ASHRAE चंडीगढ़ चैप्टर द्वारा शनिवार को सेक्टर-31 स्थित सीआईआई कॉन्फ्रेंस हॉल में 'कन्वर्ज 2026' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चैप्टर के इंस्टॉलेशन सेरेमनी के साथ "एनर्जी एफिशिएंसी एंड डीकार्बोनाइजेशन इन बिल्डिंग्स एंड इंडस्ट्रियल सेक्टर" विषय पर तकनीकी सम्मेलन भी आयोजित किया गया। सम्मेलन में HVAC&R, भवन निर्माण, इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, कंसल्टेंसी, उद्योग, नीति निर्माण और सतत विकास से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लेकर ऊर्जा संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भवनों और औद्योगिक क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने तथा टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना था। सम्मेलन के दौरान लीडरशिप,

सहयोग, सतत विकास, नवाचार और डीकार्बोनाइजेशन जैसे प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। विशेषज्ञों ने भविष्य के स्मार्ट और पर्यावरण-अनुकूल शहरों के निर्माण में HVAC&R प्रणालियों, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु-अनुकूल इंजीनियरिंग की बढ़ती भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

सम्मेलन में ASHRAE सोसाइटी एवं ASHRAE रीजन-15 के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें ASHRAE सोसाइटी के प्रेसिडेंट-इलेक्ट आशीष राखेजा, रीजन-15 के डीआरसी पंकज धरकर, एआरसी रिची मित्तल, आरवीसी-जीएसी वरुण जैन तथा रीजन-15 के कोषाध्यक्ष आशु गुप्ता शामिल रहे। सभी वक्ताओं ने ऊर्जा दक्षता, तकनीकी नवाचार, पेशेवर सहयोग और सतत इंजीनियरिंग के भविष्य पर अपने अनुभव साझा किए तथा उद्योग जगत को आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल समाधान अपनाने

के लिए प्रेरित किया।

शाम 5:30 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम के दौरान ASHRAE चंडीगढ़ चैप्टर की नई कार्यकारिणी का औपचारिक पदस्थापना समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा दक्षता और डीकार्बोनाइजेशन केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह आर्थिक विकास, संसाधनों के बेहतर उपयोग और आने वाली पीढ़ियों के लिए टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि 'कन्वर्ज 2026' ज्ञान साझा करने, उद्योग और विशेषज्ञों के बीच सहयोग बढ़ाने तथा कम-कार्बन भविष्य के लिए नई तकनीकों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 17 महीने पूरे: पंजाब पुलिस ने 75 हजार से अधिक नशा तस्करों को दबोचा, 3472 किलो हेरोइन बरामद

चंडीगढ़, 1 अगस्त:मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा नशे के खिलाफ शुरू किए गए 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के 17 महीने पूरे होने पर पंजाब पुलिस ने बड़ी उपलब्धियों का ब्योरा जारी किया है। 1 मार्च 2025 से शुरू हुए इस राज्यव्यापी अभियान के तहत अब तक 54,916 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 75,102 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस दौरान पुलिस ने 3,472 किलोग्राम हेरोइन समेत भारी मात्रा में मादक पदार्थ और करोड़ों रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के दिशा-निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में प्रतिदिन एक साथ विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालना है।

विशेष डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) प्रवीण सिन्हा ने बताया कि अभियान के दौरान अब तक 871 किलोग्राम अफीम, 425 किलो ग्राम भुक्की, 86 किलोग्राम चरस, 1,193 किलोग्राम गांजा, 60 किलोग्राम आईसीई (मेथामफेटामाइन) तथा 60.78 लाख नशीली गोलिएं और कैप्सूल बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 21.64 करोड़ रुपये की ड्रग मनी भी जब्त की गई है, जो नशा तस्करी से अर्जित की गई थी।

अभियान के 518वें दिन पंजाब पुलिस ने अलग-अलग जिलों में कार्रवाई करते हुए 91 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 20.3 किलोग्राम हेरोइन, 15,249 नशीली गोलिएं एवं कैप्सूल तथा 3,800 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। वहीं, नशा मुक्ति अभियान के तहत 11 लोगों को नशा छोड़ने और पुनर्वास केंद्रों में उपचार लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इसी के साथ, पंजाब पुलिस का 'गैंगस्टरों ते वार'

अभियान भी लगातार जारी है। अभियान के 193वें दिन पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 586 छापेमारियां कीं, जिनमें चार हथियारों सहित 350 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 230 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि चार भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में लाया गया।

पंजाब पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी वांछित अपराधी, गैंगस्टर या आपराधिक गतिविधि से संबंधित कोई जानकारी हो तो उसे एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 पर पूरी गोपनीयता के साथ साझा करें, ताकि राज्य को अपराध और नशा मुक्त बनाने के अभियान को और प्रभावी बनाया जा सके।

पंजाब के GST राजस्व में 20% की रिकॉर्ड बढ़ोतरी, चार माह में ₹10,447 करोड़ का संग्रह; कर चोरी पर सख्ती जारी



चंडीगढ़, 1 अगस्त:पंजाब सरकार के वित्त, आबकारी एवं कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि राज्य ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों में जीएसटी संग्रह के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान पंजाब का कुल जीएसटी राजस्व बढ़कर 10,447.90 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 8,708.48 करोड़ रुपये की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है।

हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि बेहतर कर अनुपालन, तकनीक आधारित प्रशासन, खुफिया जानकारी पर आधारित कार्रवाई और कर चोरी के विरुद्ध सख्त अभियान के कारण यह वृद्धि संभव हुई है। उन्होंने बताया कि जुलाई 2026 में राज्य को 2,614.45 करोड़ रुपये का कुल जीएसटी राजस्व प्राप्त हुआ, जो जुलाई 2025 की तुलना में 8.31 प्रतिशत अधिक है।

वित्त मंत्री ने बताया कि पंजाब ने एसजीएसटी केश संग्रह में 16.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो देशभर में सबसे अधिक है। जुलाई 2025 में यह संग्रह 815.84 करोड़ रुपये था, जो जुलाई 2026 में बढ़कर 948.29 करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि उद्योगों और कारोबारियों द्वारा बेहतर स्वैच्छिक कर अनुपालन का संकेत है।

ईमानदार करदाताओं को राहत देते हुए सरकार ने जुलाई के दौरान 200 करोड़ रुपये से अधिक के वैध जीएसटी रिफंड मंजूर किए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य कारोबार को आसान बनाना, उद्योगों की तरलता बढ़ाना और समय पर रिफंड उपलब्ध कराना है।

कर चोरी पर कार्रवाई का उल्लेख करते हुए हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि जुलाई माह में राज्यभर में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 200 करोड़ रुपये से अधिक के जुर्माने लगाए गए। विभाग ने डेटा एनालिटिक्स और रिस्क प्रोफाइलिंग के जरिए फर्जी बिलिंग नेटवर्कों की पहचान की। इसी क्रम में जालंधर में 55.35 करोड़ रुपये के फर्जी बिलिंग घोटाले में एफआईआर दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

SquareNet
Innovation & Excellence

Advertisement

Zoho Mail

Google Workspace

Microsoft 365

Microsoft Solutions Partner

Google Cloud Partner

aws partner network

Are you looking for a reliable EMAIL SERVICE PROVIDER?

Choose the best suitable plan for your business from SquareNet

Secure & Reliable

Professional Email

Cloud Integration

24/7 Expert Support

Scalable for Every Business

Empower Your Business with Secure, Professional & Scalable Email Solutions

SQUARENET INDIA PRIVATE LIMITED
C-6, Sebiz Square, IT Park, Sector 67,
Mohali 160062, Punjab India

www.squarenetindia.com

mail@squarenetsolutions.com

+91-904-101-2541
[PRI LINE]

Visit Us: www.azadvaani.com

For Enquiry Call: +91-90414-88440

27 सप्ताह में जन्मी 700 ग्राम की बच्ची को 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' ने दिया नया जीवन, 50 दिन एनआईसीयू में चला इलाज



चंडीगढ़, 1 अगस्त: पंजाब सरकार की 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के तहत नवांशहर में 27 सप्ताह में जन्मी 700 ग्राम वजन की एक नवजात बच्ची को 50 दिनों तक एनआईसीयू में विशेष उपचार देकर नया जीवन मिला। करीब 3 लाख रुपये की लागत वाला पूरा इलाज परिवार को पूरी तरह कैशलेस उपलब्ध कराया गया।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि योजना का उद्देश्य हर जरूरतमंद परिवार को बिना आर्थिक बोझ के बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना है। उन्होंने बताया कि पिछले सात महीनों में योजना के तहत 6.28 करोड़ रुपये के क्लेम के माध्यम से 4,400 से अधिक नवजात शिशुओं को जीवनरक्षक इलाज उपलब्ध कराया गया है। बच्ची के पिता सूरज ने कहा कि इस योजना के बिना इतना महंगा इलाज कराना उनके लिए संभव नहीं था।

देश में सुरक्षा अलर्ट, मजदूर प्रदर्शनों को लेकर गृह मंत्रालय सतर्क



चंडीगढ़, 1 अगस्त:विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस के अवसर पर पंजाब सरकार ने फेफड़ों के कैंसर की रोकथाम और समय पर उपचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी मरीज आर्थिक तंगी के कारण उपचार से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री सेहत योजना (MMSY) के तहत अब तक 708 फेफड़ा कैंसर मरीजों को 3.43 करोड़ रुपये से अधिक का पूरी तरह कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया गया है।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि योजना के तहत 413 पुरुषों और 295 महिलाओं को मुफ्त इलाज का लाभ मिला है। आयु वर्ग के अनुसार सबसे अधिक लाभार्थी 61 से 75 वर्ष के रहे, जबकि 46 से 60 वर्ष आयु वर्ग के मरीज भी बड़ी संख्या में योजना से जुड़े। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और इलाज से फेफड़ों के कैंसर पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है।

जिला स्तर पर बैठेंडा सबसे आगे रहा, जहां 179 मरीजों को इलाज मिला। इसके बाद संगरूर (163) और फरीदकोट (149) का स्थान रहा। अमृतसर, जालंधर, पटियाला, एसएएस नगर, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब और पठानकोट के मरीजों ने भी योजना का लाभ उठाया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-6) के अनुसार पंजाब देश का सबसे कम तंबाकू सेवन वाला राज्य बनकर उभरा है, जो राज्य में चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों और प्रभावी तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता का प्रमाण है।

'मावां-धियां सत्कार योजना' का दूसरा चरण: 35.5 लाख महिलाओं के खातों में पहुंची सहायता राशि, कुल 68.5 लाख लाभार्थियों को मिला फायदा



पठानकोट, 1 अगस्त:पंजाब सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'मावां-धियां सत्कार योजना' के दूसरे चरण के तहत 35.5 लाख महिलाओं के बैंक खातों में वित्तीय सहायता राशि सीधे ट्रांसफर कर दी है। इसके साथ ही अब तक इस योजना का लाभ प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या 68.5 लाख हो गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पठानकोट में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान लाभार्थियों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के तहत पंजाब की प्रत्येक पात्र महिला को तीन महीने (जुलाई, अगस्त और सितंबर) की एकमुश्त किस्त के रूप में 3,000 रुपये, जबकि अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 4,500 रुपये सीधे उनके बैंक खातों में भेजे गए हैं। उन्होंने

कहा कि यह राशि महिलाओं का अधिकार है और अब उन्हें अपनी या अपने बच्चों की जरूरतों के लिए किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं होगी।

भगवंत सिंह मान ने बताया कि 1 जुलाई को पहले चरण में 33 लाख महिलाओं को सहायता राशि जारी की गई थी, जबकि अब अतिरिक्त 35.5 लाख महिलाओं को लाभ मिला है। पिछले एक सप्ताह में ही 5 लाख नई महिलाओं ने योजना के लिए पंजीकरण कराया है, जिससे कुल पंजीकरण का आंकड़ा 73.5 लाख तक पहुंच गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजीकरण प्रक्रिया अभी भी जारी है और नए सत्यापित आवेदकों को अगले चरण में लाभ दिया जाएगा। जो महिलाएं अब आवेदन करेंगी, उन्हें भी 1 जुलाई 2026 से देय राशि का पूरा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में पहली बार विधवा, दिव्यांग और वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं को भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अतिरिक्त इस योजना के तहत 1,000 या 1,500 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। यह योजना महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना के लिए 9,300 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है और अनुमान है कि राज्य की लगभग 97 प्रतिशत महिलाएं इससे लाभान्वित होंगी। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र महिला तक पहुंचेगा और पूरी प्रक्रिया पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (PFMS) के माध्यम से सीधे बैंक खातों में पारदर्शी तरीके से की जा रही है।

सीमा पार ड्रोन से आई 20 किलो हेरोइन बरामद, अमृतसर में तस्करी नेटवर्क का गुर्गा गिरफ्तार



चंडीगढ़/अमृतसर, 1 अगस्त:पंजाब को नशा मुक्त बनाने के अभियान के तहत काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए सीमा पार संचालित नशा तस्करी एवं संगठित अपराध नेटवर्क के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 20 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही होंडा सिटी कार भी जब्त कर ली है।

डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओम शर्मा, निवासी झबाल (तरनतारन) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह सीमा पार बैठे एक विदेशी हैंडलर के निर्देश पर काम कर रहा था। उसका काम सीमावर्ती क्षेत्र में ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजी गई हेरोइन की खेप प्राप्त कर उसे पंजाब के विभिन्न हिस्सों में आगे सप्लाई करना था।

डीजीपी ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर को गुप्त सूचना मिली थी कि विदेशी हैंडलर के सहयोगी अजनाला के सीमावर्ती इलाके में ड्रोन के माध्यम से भेजी गई हेरोइन की खेपें प्राप्त कर ओम शर्मा तक पहुंचाते हैं। सूचना के अनुसार आरोपी हाल ही में मिली एक बड़ी खेप को आगे पहुंचाने के लिए फतेहगढ़ चूड़ियां रोड स्थित सोहियां कलां क्षेत्र आने वाला था।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोहियां कलां की दाना मंडी के पास विशेष नाकाबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 20 किलो हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त उसकी होंडा सिटी कार भी जब्त कर ली।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि मामले की गहन जांच

जारी है। पुलिस आरोपी के आगे-पीछे के संपर्कों, पूरे तस्करी नेटवर्क और पहले पकड़े जा चुके अन्य ड्रग मॉड्यूलों से इसके संभावित संबंधों की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि सीमा पार से संचालित नशा तस्करी नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

इस संबंध में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21, 25 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

पंजाब में निजी स्कूलों की फीस पर लगेगी स्थायी लगाम, मानसून सत्र में लाया जाएगा नया कानून



चंडीगढ़, 1 अगस्त: मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर स्थायी रोक लगाने के लिए विधानसभा के मानसून सत्र में 'द पंजाब रेगुलेशन ऑफ फी ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश करेगी। यह विधेयक 13 जुलाई 2026 से लागू अध्यादेश को स्थायी कानूनी रूप देगा और राज्य के 7,800 से अधिक निजी स्कूलों में पढ़ने वाले 32 लाख से अधिक विद्यार्थियों को राहत प्रदान करेगा।

प्रस्तावित कानून के अनुसार, कोई भी निजी स्कूल बिना जिला रेगुलेटरी बोर्ड की पूर्व लिखित अनुमति के 5 प्रतिशत से अधिक वार्षिक फीस वृद्धि नहीं कर सकेगा। यदि किसी स्कूल ने पिछले तीन वर्षों में कुल 15 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाई है, तो अतिरिक्त वसूली गई राशि विद्यार्थियों और अभिभावकों को लौटानी होगी। फीस सीमा की गणना में सभी अनिवार्य शुल्क शामिल होंगे, ताकि अलग-अलग मदों में शुल्क जोड़कर नियमों से बचा न जा सके। कानून मुनाफाखोरी और कैपिटेशन फीस पर भी सख्त रोक लगाएगा।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक जिले में उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला रेगुलेटरी बोर्ड गठित की गई है। सभी निजी स्कूलों को पिछले चार वर्षों का फीस रिकॉर्ड शिक्षा विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना होगा। रेगुलेटरी बोर्ड की शिकायत मिलने या स्वतः संज्ञान लेने पर स्कूलों के खातों का फॉरेंसिक ऑडिट कराने का अधिकार होगा। शिकायतों का निपटारा निर्धारित समय सीमा में किया जाएगा और संबंधित स्कूल को अपना पक्ष रखने का अवसर भी मिलेगा।

पंजाब पुलिस ने अंतरराज्यीय नकल गिरोह का किया भंडाफोड़



चंडीगढ़, 31 जुलाई: पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैस ने कहा कि पंजाब पुलिस ने बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (बीएफयूएचएस), फरीदकोट की फार्मैसी परीक्षा में नकल कराने वाले हरियाणा आधारित अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि जांच में गिरोह का मास्टरमाइंड हरियाणा के भिवानी का निवासी निकला है और यह मामला पेपर लीक नहीं बल्कि तकनीक आधारित संगठित नकल रैकेट का है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार किसी भी कीमत पर पंजाब की शिक्षा व्यवस्था को बदनाम नहीं होने देगी।

पेडा कॉम्प्लेक्स में आयोजित प्रेस वार्ता में बैस ने आरोप लगाया कि भिवानी वर्षों से नकल गिरोहों का केंद्र बना हुआ है और ऐसे नेटवर्क ने हजारों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया है। उन्होंने हरियाणा सरकार पर ऐसे गिरोहों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब यही नेटवर्क पंजाब में सक्रिय होने की कोशिश कर रहा था।

Advertisement

From Foundation to Finish – We Build Everything!

We specialize in high-quality construction services for: Residential Homes, Commercial Buildings Kothi & Luxury Villas, Showrooms & Shops, Flats & Apartments

WE PROMISE YOU FOR A BETTER FUTURE!

N M CONSTRUCTION

Excellence in every structure

#219 GF Maa Shimla Complex, Landran Road, Kharar, SAS Nagar, 140301, Punjab

Email: nmconstruction5151@gmail.com | Phone: +91-6009610096, 9872766841

Visit Us: www.azadvaani.com

For Enquiry Call: +91-90414-88440

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015